COVID-19: मिथक और तथ्य

लेखक: गगनदीप कंग

अनुवादन: तरुण कुमार शर्मा,
सिउली मित्र
डिज़ाइन: याशिका कपूर

सभी के लिए
एक संसाधन

thsti ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
TRANSLATIONAL HEALTH SCIENCE AND TECHNOLOGY INSTITUTE

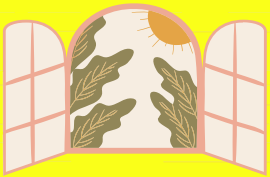

रितु, हम सभी की तरह, घर बैठे सोचती है, एक अच्छी सी सुबह, और मैं अभी भी स्कूल नहीं जा सकती।

माँ मुझे नीम का रस पीने के लिए फिर से उकसा रही है। उन्होंने किसी व्हाट्सएप ग्रुप में ये पढ़ा कि यह कोरोना वायरस को मार देगा।

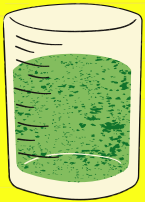

आज मैंने इस मिथ्या और दुसरे फेक
न्यूज़ के बारे में माँ को बताने का फैसला किया।

मैंने Skype पर डॉ. गगनदीप को वीडियो कॉल किया। वह मेरी एकमात्र दोस्त है जो वायरस के साथ काम करती है और उन्हें वायरस प्यारे भी लगते हैं। मुझे पता है वह मेरी मदद ज़रूर करेगी।

नमस्ते, डॉ गगनदीप।

नमस्ते, रितु। फिर से नीम का रस?

हां, और मुझे माँ को समझाने के लिए आपकी ज़रूरत है कि व्हाट्सएप पर मिल रही इस तरह की जानकारी पर क्यों विश्वास नहीं करना चाहिए।

[वह अपना काम बंद करती हैं] चलो बात करते हैं

अफवाह

- लहसुन
- हल्दी
- नीम

खाने से संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है

तथ्य

इस प्रकार का कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है।

अफवाह

COVID-19 संक्रमण
इलाज / रोकथाम में
मदद करता है

तथ्य

इस प्रकार का कोई
वैज्ञानिक परीक्षण
नहीं किया गया है।

अफवाह

सभी चीनी लोग वायरस से संक्रमित हैं

उनके संपर्क में आने से संक्रमण होगा, इसलिए उनसे दूर रहना चाहिए

तथ्य

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण

Map taken from CSSE, John Hopkins

चीनी मूल के सभी लोग संक्रमित नहीं हैं

अफवाह

COVID-19 एक जैविक हथियार है

COVID-19 इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, वुहान से जारी किया गया था

तथ्य

वायरस को सीक्वेंस करने से पता चलता है कि

यह जानवरों से आया है

कृत्रिम रूप से उत्परिवर्तित नहीं हुआ है

अफवाह

निमोनिया के टीके आपको COVID -19 संक्रमण से बचाते हैं।

तथ्य

निमोनिया के टीके COVID -19 संक्रमण से नहीं बचाते हैं।

अफवाह

गोमुत्र और गोबर स्नान, संक्रमण का इलाज और रोकथाम कर सकते हैं।

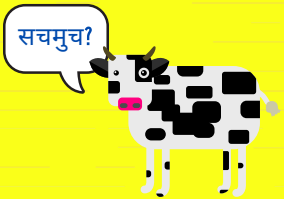

तथ्य

इस प्रकार का कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है।

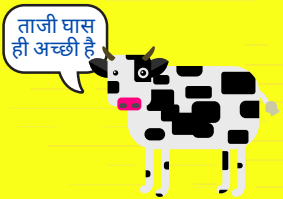

अफवाह

मास्क पहनना आपको COVID-19 संक्रमण से बचाता है।

तथ्य

वायरस के खिलाफ वास्तव में आपकी रक्षा करने वाले मास्क विशेष N95 श्वासयंत्र मास्क हैं

अफवाह

सलीन (Saline) से नाक धोना इस संक्रमण से रक्षा कर सकता है।

तथ्य

इस प्रकार का कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है।

अफवाह

गर्म पानी से स्नान करने से संक्रमण से बचाव होगा।

तथ्य

इस प्रकार का कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है।

अफवाह

ठंडा मौसम वायरस को मार देगा।

गर्म मौसम और आर्द्रता वायरस के प्रसार को रोक देगी।

तथ्य

इस प्रकार का कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है।

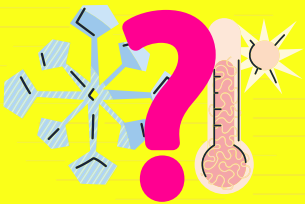

अफवाह

विदेशी जानवरों की वजह से वायरस मनुष्यों में फैल गया।

तथ्य

यह एक वैज्ञानिक संभावना है।

अभी के लिए, COVID-19 मानव से मानव संपर्क में फैल रहा है।

अफवाह

शाकाहारी आहार का सेवन संक्रमण से सुरक्षित रखेगा।

तथ्य

यह एक वैज्ञानिक संभावना है।

अभी के लिए, COVID-19 मानव से मानव संपर्क में फैल रहा है।

अफवाह

COVID-19 वायरस मच्छर के काटने से फैलता है

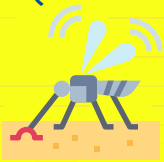

तथ्य

नहीं, COVID-19 वायरस ऐसी बूंदों से फैलता है जो खांसते, थूकते और बात करते समय बनते हैं।

अफवाह

शराब पीने से संक्रमण से बचाव होगा।

तथ्य

शराब पीने से संक्रमण से बचाव नहीं होगा

अफवाह

पालतू जानवरों से ये वायरस फ़ैल सकता है ।

तथ्य

अब तक हमें ये पता है कि यह वायरस इंसानों से बिल्लियों में फ़ैल सकता है। लेकिन बिल्लियों या किसी अन्य जानवर से इंसान में इस वायरस के फैलने का कोई प्रमाण नहीं है।

अफवाह

बायोमेट्रिक डिवाइस संक्रमण का एक स्रोत हैं।

तथ्य

किसी भी सतह को अक्सर छुआ जाता है, जो दरवाजे के हैंडल, मोबाइल, लिफ्ट बटन, संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है।

अफवाह

भारतीय बहुत सारे संक्रमण के संपर्क में आते रहते हैं और कोरोनावायरस के प्रतिरोधी होंगे।

तथ्य

भारतीयों अन्य सभी देश के लोगों में उन वायरस के प्रति प्रतिरोध है जिनके संपर्क में वे पहले आ चुके हैं, लेकिन नए COVID-19 वायरस से नहीं

अफवाह

यदि आप 20/30 सेकंड के लिए खाँसी या श्वसन संकट के बिना अपनी सांस रोक सकते हैं, तो आप संक्रमित नहीं हैं ।

तथ्य

सच नहीं है, क्योंकि संक्रमण के लक्षणों के लिए समय लगता है, लेकिन श्वसन संकट गंभीर बीमारी का संकेत है ।

अफवाह

हर 15 मिनट में पानी पीना आपके पेट में वायरस को धो देगा और पेट का एसिड इसे मार देगा।

तथ्य

यह सच नहीं है। पेट का एसिड वायरस को नहीं मार सकता है

अफवाह

यह वायरस खतरनाक है और हम सभी को मार देगा ।

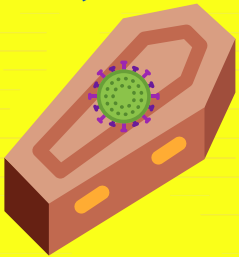

तथ्य

यह सच नहीं है। 80% संक्रमण मध्यम या हल्के रहते हैं। 20% में यह अधिक गंभीर हो सकता है विशेषकर वृद्धों में और अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों में ।

उन्हें पहले संरक्षित करने की जरूरत है।